LATEST NEWS

Certificate distribution Ceremony of 07 Design and Technical Development workshop held at IICT (Amar Ujala & Hindustan & Dainik Jagran dt. 17.02.2018)

डेढ़ सौ प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र बांटे

भदोही। विकास आयुक्त, हस्तशिल्प की ओर से भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वालों को शुक्रवार को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। पाइल कारपेट पर छपाई से लेकर डिजाइन बनाने और जकार्ड पर डिजाइन उकेरने में महारत कराने के लिए अनुसूचित जाति के कुल 150 ने हिस्सा लिया। परियोजना निदेशक प्रो.एसके पाल ने कहा कि सरकार के प्रशिक्षण से छात्रों में आत्मविश्वास जगा है। विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय के अमला शंकर, आसिफ अंसारी, आलोक जायसवाल ने प्रशस्ति पत्र सौंपे।

प्रमाण पत्र व प्रतिपूर्ति भत्ता किया गया वितरित

जागरण संवाददाता, भदोही : कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में चल रही 25 दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। शुक्रवार को संस्थान में समारोह का आयोजन कर प्रशिक्षण प्राप्त सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र व प्रतिपूर्ति भत्ता वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एमएंडएसइएसी वाराणसी अमलाशंकर ने योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण का उद्देश्य लोगों को रोजगार से जोड़ना है। विशेष रूप से अनुसूचित जाति के आर्टिजन के लिए संचालित उक्त प्रशिक्षण कैंप के माध्यम से 30 लोगों को प्रशिक्षित किया गया जो भविष्य में इसका लाभ उठा सकते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र व प्रतिपूर्ति भत्ता वितरण करते हुए उनके सुंदर भविष्य की कामना की। इससे पहले अतिथियों ने मार्केट इवेंट के तहत प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार की गई डिजाइनों का अवलोकन कर सराहना की। बताते चलें कि 25 दिवसीय कार्यशाला में पाइल कारपेट पर छपाई, डेवलप बेसिक एलिमेंट आफ डिजाइन क्रिएशन थूकैड, कालीन धागा रंगाई व क्वालिटी कंट्रोल सहित पांच बिंदुओं प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर एसके सिन्हा, मो आसिफ, आलोक जायसवाल, नदीम अंसारी, मुख्य परियोजना समन्यवयक सहित संस्थान के समस्त अधिकारी व कर्मचारी रहे।

छात्रों को प्रमाणपत्र देते मुख्यअतिथि

30 प्रशिक्षुओं में प्रमाण पत्र किया गया वितरित

भदोही | **निज संवाददाता**

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में पांच बिन्दुओं पर चल रही 25 दिवसीय कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हो गया। इस दौरान 30 प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी दिया गया।

आईआईसीटी में कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों के लिए पाईल कारपेट पर छपाई, डेवलप बेसिक एलिमेंट्स ऑफ डिजाइन क्रिएशन थू कैड, कालीन धागा रंगाई और उसकी क्वालिटी कंट्रोल, टफ्टेड कालीन में कैड का उपयोग करते हुए आधुनिक कालीन डिजाइन, जकार्ड डिजाइन ऑन हैंडलूम पाईल कारपेट के बारे में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई थी। इस दौरान प्रशिक्षुओं द्वारा प्रोगो टाइप का प्रदर्शन भी किया गया। समारोह में आए कार्यालय विकास आयुक्त हस्त शिल्प के एम एंडएससी वाराणसी अमला शंकर ने 30 प्रशिक्षुओं में प्रमाण पत्र वितरित किया। इस मौके पर एसके सिन्हा, मो. आसिफ, आलोक जायसवाल, नदीम अंसारी, डा. एसके पाल, डा. आर कर्माकर, सीएस वाजपेयी, आरके मलिक, डा. बेट्टी दास गुप्ता आदि रहे।

Importance of self discipline and Road Safety (Amar Ujala & Hindustan dt. 09.02.2018)

भदोही आसपास

amarujala.com

जीवन में अनुशासन से ही मिलती है सफलता

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

जीवन में अनुशासन हो तो मुश्किलें आसान बन जाती हैं। शिक्षा हो, खेल हो या यातायात, हर व्यक्ति को सभी जगहों पर अनुशासन का ध्यान रखना चाहिए। जीवन में सफलता के लिए अनुशासन बहुत जरूरी है। ये बातें गुरुवार को भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने छात्र-छात्राओं से कहीं।

गत दिनों दुर्घटना में संस्थान के दो छात्रों की मौत के बाद छात्रों के साथ साथ संस्थान स्टाफ भी मर्माहत है। इसको लेकर छात्रों में अनुशासन का पाठ पढ़ाने के लिए संस्थान में आयोजित एसेंबली

आईआईसीटी में छात्र छात्राओं को यातायात नियमों का पढ़ाया पाठ

में निदेशक ने कहा कि नियम कानून का पालन करने में किसी को भागना नहीं चाहिए। यह सफल व्यक्ति की पहचान है। कहा कि हेल्मेट हमारी रक्षा करता है इसके बाद भी हम हेल्मेट पहने से बचते हैं।

यातायात नियमों का पालन करना हो समयबद्ध ढंग से क्लास लेना या खेलना सब मायने रखता है। अनुशासन को स्वतंत्रता से जीवन की तमाम कठिनाइयों से लड़ा जा सकता है। इस मौके पर सभी छात्रों ने संकल्प लिया कि संस्थान के अंदर हो या बाहर नियमों कानून का पालन करेंगे। इससे पूर्व छात्रों ने परिसर में रैली निकाली और अनुशासन को पाठ पढ़ाया। अंत में गत दिनों सड़क दुर्घटना में मृत दोनों छात्रों कपिलदेव यादव व सुनील कुमार को श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो. एसके पाल, प्रो. आरके मलिक, आर कर्माकर, बीसी रे, बीडी गुप्ता, दुर्गेश त्रिपाठी, एसके पांडेय, उमाकांत श्रीवास्तव, सीएस बाजपयी, मुमताज अंसारी, श्रवण कुमार, जयंत देशपांडेय, वसीम अंसारी आदि के अलावा सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

भदोही | निज संवाददाता

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) परिसर में गुरुवार को विद्यालय परिवार द्वारा यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्व अनुशासन का संकल्प लेते हुए दूसरों को भी इसका अनुपालन कराने की बात कही।

निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने कहा कि सड़कों पर चार पहिया वाहन, बाइक तथा साइकिल से चलते समय यातायात नियमों की अनदेखी बहुत ही महंगी पड़ती है। हादसों में न सिर्फ लापरवाही बरतने वाले की जान जाती है, बल्कि उसको लेकर परिवार द्वारा बुने गए सपनों

पहल

- आईआईसीटी परिसर में रैली निकाल दिलाया गया संकल्प
- विद्यार्थियों ने स्व अनुशासन का संकल्प लिया

भी बिखर जाते हैं। कहा कि हादसों ने संस्थान को जो तकलीफ पहुंचाई है, उसकी पीड़ा से हम सभी कराह रहे हैं। सड़क हादसे ने संस्थान के दो होनहारों को हमसे छीन लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाते हुए यातायात नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

निदेशक ने कहा कि स्व अनुशासन के जरिए न सिर्फ हम अपनी समस्याओं पर विजय पाते हैं, बल्कि दूसरों की भी इससे मदद कर सकते हैं। उन्होंने स्व अनुशासन के अंबेडसर के रूप में सभी को शपथ दिलाई।

शहर के आईआईसीटी परिसर में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते निदेशक प्रो. केके गोस्वामी। • हिन्दुस्तान

Necessity of Corporate Training for Carpet Industry (Amar Ujala dt.05.02.2018)

उद्यमियों के लिए कारपोरेट ट्रेनिंग जरूरी

भदोही। कालीन उद्यमियों की उद्यमशीलता बढ़ाने के लिए भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के पूर्व बीटेक छात्र अनिल कुमार ने कार्य योजना तैयार की है। रविवार को संस्थान में अपनी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए अनिल ने बताया कि वैश्विक बाजार के खुल जाने के बाद अब कारपोरेट ट्रेनिंग जरूरी है।

पुरा छात्र ने प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया कि अब किसी संस्थान अथवा कंपनी में कार्यरत लोगों को अपने क्षेत्र में महारथ रखना होगा। विश्व बाजार, उत्पादों की गुणवत्ता, बायर रिलेशन मजबूत करने और सैंपल डेवलपमेंट में दक्ष होना होगा। आज जरूरत है कि कारोबारी बाजार के रुख को समझें और व्यापार की रणनीति बनाएं।

अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एकमा) के मानद सचिव पियुष बरनवाल ने प्रेजेंटेशन की सराहना की और कारपोरेट ट्रेनिंग को जरूरी बताया। संस्थान के निदेशक प्रो.केके गोस्वामी ने भी अनिल कुमार के प्रेजेंटेशन की सराहना की। कार्यशाला में बीटेक छात्र-छात्राओं के अलावा प्रशासनिक अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला, जयंत देश पांडेय, एसके सिनहा, श्वेतांक शेखर, सैम्यूअल आदि मौजूद रहे।

आह्वान किया।

नौकरी देने का लक्ष्य बनाएं युवा

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

आईआईटी बीएचयू के प्रो.प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि इंजीनियर बनने के बाद नौकरी ढूंढने के बजाए नौकरी देने का लक्ष्य लेकर चलना चाहिए। लेकिन लक्ष्य निर्धारण से पूर्व इस बात का ध्यान रहे कि आपकी लगन और ईमानदारी ही आपको नवउद्यमी बना सकती है। वे शनिवार को भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में सप्ताह व्यापी नवउद्यमी संवेदीकरण कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के बीटेक छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज कुछ भी मुश्किल नहीं है। उन्होंने ओला, ऊबर फ्लिपकार्ट जैसे ब्रांडो का नाम लेते हुए बताया कि आज सफल होने के लिए विकसित सोच का मालिक बनना होगा। कहा सफलता आसानी से नहीं मिलती लेकिन प्रयास में लगन और ईमानदारी हो तो मुश्किल भी नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तक लोग नौकरी पाने के लिए शिक्षा ग्रहण करते थे लेकिन अब एक नई सोच विकसित हुई जिसमें नौकरी देने के लिए शिक्षा ग्रहण किया जाने लगा है। वयोवृद्ध कालीन उद्यमी राजाराम गुप्ता ने कालीन निर्माण से लेकर निर्यात तक संपूर्ण प्रक्रिया पर रोशनी डाली और कहा कि पहले उत्पादन करने वाले को काम मिलता था लेकिन आज गुणवत्ता और नया करने वालों को काम मिलता है। कहा कि इसके लिए विश्व बाजार की जानकारी रखना अतिमहत्वपूर्ण कदम होगा।

कार्यक्रम समापन के दिन प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कालीन निर्यातक और पूर्व एकमाध्यक्ष रवि पाटोदिया ने कहा कि विश्व अब खुले बाजार का रूप ले चुका है। मानक और गुणवत्तायुक्त उत्पाद बाजार मे पैर जमा ही लेंगे।

छात्रों ने विशेषज्ञों से अपने सवालों के जवाब लिए। निर्यातक हाजी अब्दुल हादी अंसारी, संस्थान के निदेशक प्रो.केके गोस्वामी ने भी संबोधित किया।

रविवार को आईआईसीटी के छात्रों को संबोधित करते आईआईटी बीएचयू के प्रो.प्रदीप श्रीवास्तव

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रो.प्रदीप श्रीवास्तव ने किया छात्रों को संबोधित

बीटेक छात्रों को नवउद्यमी बनने के लिए किया प्रेरित

सफलता आसानी से नहीं मिलती लेकिन प्रयास में लगन और ईमानदारी हो तो मुश्किल भी नहीं

Certificate Distribution, Carpet Embriodery Workshop, Date: 27/10/2017

विशेष इलाज के लिए एमओआई

कार्यशालामें ३० प्रतिभाओंको मिला प्रमाण पत्र

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित कालीन कासीदाकारी विषय पर डिजाइन एवं तकनीकी विकास कार्यशाला का समापन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एकमाध्यक्ष एवं यश भारती पुरस्कार प्राप्त गुलाम सर्फुद्दीन अंसारी ने कहा कि इस तरह के कार्यशाला का आयोजन होने से नये प्रतिभाओं को आगे आने का जहां अवसर मिलता है वहीं उनमें जो खामियां रहती है, उसमें भी निखार लाने में सहायक होता है। कहा कि कालीन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं रहती है। प्रतिभाओं को यह प्रयास करना चाहिए कि जिस तकनीकी विषय वस्तु की जानकारी वह ले रहे हैं, उसे लगन एवं मेहनत के साथ सफल बनाये। इस मौके पर एकमाध्यक्ष के साथ ही कालीन उद्यमी दीपचंद्र बरनवाल, मो. राशिद अंसारी, एसके सिंहा आदि लोगों द्वारा कार्यशाला के दौरान प्रथम चरण में विकसित किये गये प्रोटोटाइको व कालीन का निरीक्षण किया गया। कार्यशाला में आईआईसीटी के निदेशक डा. केके गोस्वामी ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से कुल 30 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कहा कि संस्थान ने हमेशा प्रयास किया है कि प्रतिभाओं को सही जानकारी के साथ ही सही प्लेटफार्म प्राप्त कराया जाय, ताकि वह अपनी प्रतिभा का सद् उपयोग कर सके। कार्यशाला में डिजाइनर उर्मिला केशरवानी को दीपचंद्र बरनवाल द्वारा फीस चेक के माध्यम एवं मास्टर क्राफ्टमैन राजबलि को मो. राशिद अंसारी द्वारा फीस प्रदान किया गया।

काशीदारी विषयक कार्यशाला में दिए टिप्स

भदोही | निज संवाददाता

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में कार्यालय विकास आयुक्त (हस्त शिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित काशीदारी विषयक कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन व तकनीकी विकास के बारे में संस्थान के विद्यार्थियों को बताया गया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि एकमाध्यक्ष गुलाम सर्फुद्दीन अंसारी ने 30 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि कालीन उद्योग की बेतहरी के लिए संस्थान द्वारा जो प्रयास किया जा रहा है, वह सराहनीय है। यहां से निकले विद्यार्थी पूरे भारत में गलीचों के कारोबार में अपने हुनर व प्रतिभा को लगा रहे हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से उद्योग की बेहतरी में काम करने का आह्वान किया। संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने कहा कि संस्थान का सदैव प्रयास रहता है कि यहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर ज्ञान के साथ ही रोजगार मिल सके।

इस दिशा में समय-समय पर काम भी किया जाता है। इस दौरान कालीन निर्यातकों व उपस्थित लोगों द्वारा कार्यशाला के दौरान विकसित किए गए प्रोटोटाइपो का अवलोकन किया गया। इस मौके पर दीपचंद बरनवाल, मो. राशिद अंसारी, एसके सिन्हा, प्रो. एसके पाल (मुख्य परियोजना समन्वयक), श्रवण कुमार गुप्ता, उर्मिला केशरवानी, दीपचंद्र बरनवाल, राजबली, मो. राशिद अंसारी, पीटर सोनकर, आदित्य चौधरी आदि रहे।

शहर से सटे आईआईसीटी में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में प्रोटोटाइपों का अवकलोन करते लोग। • हिन्दुस्तान

प्रतिस्पर्धा से होने वाले फायदे बताए

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में कालीन कशीदाकारी कार्यशाला का समापन

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में बीते एक माह तक चलाए गए कालीन कशीदाकारी कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एकमा) के अध्यक्ष गुलाम सर्फुद्दीन अंसारी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए वक्त के साथ चलना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा समय समय पर संचालित दक्षता अथवा कौशल विकास कार्यक्रमों से युवाओं को काफी कुछ सीखने को मिलता है। कहा कि युवाओं को इन अवसरों को भुनाकर अपना भविष्य बनाना चाहिए। उन्होंने कार्यशाला में शामिल 30 अभ्यर्थियों से कार्यशाला के फायदों के बारे में पूछा और यह भी कहा कि इनका निरंतर अभ्यास करते रहें ताकि लाभ उठा सकें। समापन के मौके पर प्रदर्शनी हाल में अभ्यर्थियों द्वारा बनाए गए प्रोटोटाइप का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में एकमा अध्यक्ष समेत दीप बरनवाल, राशिद अंसारी, एसके सिनहा ने अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र व प्रोत्साहन राशि के चेक वितरित किए। इस मौके पर प्रशिक्षक उर्मिला केसरवानी व रामबलि के कार्य की भी सराहना की गई। समारोह को निदेशक प्रो.केके गोस्वामी, प्रो.एसके पाल, श्रणव कुमार गुप्ता ने भी संबोधित किया।

कार्यशाला में बोलते एकमा के अध्यक्ष गुलाम सर्फुद्दीन अंसारी

भदोही amarujala.com अमर उजाला वाराणसी बृहस्पतिवार, 26 अक्तूबर 2017 4

आईआईसीटी के नौ छात्रों को मिला जॉब

करियर

भदोही | निज संवाददाता

शहर से सटे चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में बुधवार को जयपुर की एक कंपनी पहुंची। उसने बीटेक फाइनल के नौ छात्रों को रोजगार दिया।

संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों को कालीन व वस्त्र उद्योग से जुड़ी जानकारी दी जाती हैं, जिसका उपयोग व उद्योग को बढ़ावा देने में करते हैं। यही कारण है कि संस्थान में गैर प्रांतों से आकर कंपनियों के अधिकारियों द्वारा युवाओं को रोजगार देने का काम किया जा रहा है। बुधवार को जयपुर (राजस्थान) स्थित एक प्रतिष्ठित कंपनी के एचआर मैनेजर मनीष गुप्ता ने बीटेक फाइनल ईयर के विद्यार्थियों का इंटरव्यू लिया। इस दौरान उन्होंने आशुतोष कुमार, चंद्रामनी, आशुतोष वर्मा, कीर्ति सिंह, प्रीती, सौम्या जैन को कंपनी में जॉब दिया। इसके अलावा जयपुर की ही एक और कंपनी के एचआर मैनेजर इरफान खां ने अनुराग विश्वास, आशु कुमार व शिवांगी शुक्ला का चयन किया। इस मौके पर डा. बेट्टीदास गुप्ता, विमानचंद राय आदि रहे।

Develop Basic Elements of Design Creations Through CAD Seminar / Workshop

Amar Ujala Date: 26/09/2017

भदोही

अमर उजाला

वाराणसी
बुधवार, 27 सितंबर 2017

डिजाइनिंग में बना सकते हैं करियर

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

कंप्यूटर के माध्यम से डिजाइनिंग में दक्षता प्रदान करने और दरी पर जकार्ड डिजाइनिंग में प्रशिक्षण देने के लिए सोमवार से भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एकमा) के कोषाध्यक्ष अशफाक अंसारी ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार के तमाम अवसर और उन्हें आगे बढ़ने के रास्ते उपलब्ध करा रही है। इस कार्यक्रम से युवा डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कालीन उत्पादन में तेजी से तकनीक का समावेश हो रहा है। कंप्युटर आधारित डिजाइनिंग उन्हीं मे से एक है। इसके अलावा युवा जकार्ड डिजाइनिंग में पारंगत हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए लगन, इमानदारी से कार्यशाला में सीखना होगा। डिसीएच डिजाइन पैनल के डिजाइनर, अब्दुल राशिद बट्ट ने कहा कि दो चरणों में 60 अनुसूचित जाति के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जाना है। बताया कि कार्यक्रम केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा आयोजित है। कार्यशाला 25 दिन का होगा। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. एसके पाल ने बताया कि डिजाइनिंग कालीन उद्योग का एक प्रमुख विधा है जिस पर कालीन की सुंदरता टिकी होती है। इस विधा में पारंगत होने के बाद ऐसे अभ्यर्थियों की मांग बढ़ेगी। इस मौके पर सरिता प्रजापति, राम आसरे, अशफाक ए अंसारी, एसके सिनहा, रामजी मिश्रा, डा.आर कर्माकर, डा.बीडी गुप्ता, सीएस वाजपेयी आदि रहे।

कार्यशाला में जानकारी देते एकमा के कोषाध्यक्ष अशफाक अंसारी।

Final Year Student's Placement News, Pioneer, Date: 13/09/2017

Three students get job offer

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Placement process for final year students of B.Tech studying in Indian Institute of Carpet Technology (IICT) has started in its premises at Bhadohi. According to the Director Prof KK Goswami, the students of the institute get good jobs and carpet and textile industries. On the first day of placement the officers of Welspun India Limited selected three students for its Anjaar (Gujarat) unit.

In the selection process, as many as 10 students appeared and after the placement interview, the vice-president of the company Brijesh Saraf and Manager (Human resources) Rajesh Kumar selected three and they are Rajesh Kumar Singh, Sachin Yadav and Priya Singh. In the interview Dr Bettidas Gupta and Biman Chandra Rai of IICT were also present. The director greeted all the three selected students.

Placement begins at IICT in Bhadohi Pioneer

Final Year Student's Placement News, Amar Ujala & Hindustan, Date: 12/09/2017

गुजरात की कंपनी में तीन का चयन

कंपनी के अधिकारियों के साथ आईआईसीटी के चयनित छात्र।

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में वस्त्र प्रौद्योगिकी में बीटेक कर रहे अंतिम वर्ष के छात्रों के प्लेसमेंट की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। छात्र वर्ष 2018 में परीक्षा देकर निकलेंगे, लेकिन अभी से ही उनकी मांग शुरू हो गई है। सोमवार को गुजरात की प्रतिष्ठित वेलस्पन इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों ने संस्थान में तीन छात्रों का कैंपस सेलेक्शन किया, जिसके बाद से छात्र उत्साहित हैं।

संस्थान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि कालीन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके छात्र चमत्कार करने की कूवत रखते हैं। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट ब्रजेश सराफ एवं प्रबंधक मानव संसाधन राजेश कुमार ने 10 छात्रों का कैंपस इंटरव्यू किया। उन्होंने अनूप कुमार सिंह, सचिन यादव और प्रिया सिंह का चयन किया। कहा कि कंपनी को यदि कुछ और युवकों की आवश्यकता होगी तो दोबारा आएंगे। इंटरव्यू में संस्थान की डॉ. बेट्टीदास गुप्ता, बिमान चंद्र रे भी मौजूद रहे। चयन के बाद छात्रों का उत्साह सर चढ़कर बोल रहा है। निदेशक ने उन्हें बधाई देते हुए बाकी छात्रों को अपनी भरपूर क्षमता और समर्पण के साथ कार्य करने को प्रेरित किया।

आईआईसीटी के तीन छात्रों का हुआ चयन

भदोही | निज संवाददाता

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के तीन विद्यार्थियों का चयन सोमवार को गुजरात की एक कंपनी ने किया। बीटेक फाइनल वर्ष के छात्र-छात्राओं को मिले जॉब से विद्यार्थी जहां प्रसन्न हैं, वहीं संस्थान में हर्ष व्याप्त है।

संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि अंजर (गुजरात) प्रांत की एक प्रतिष्ठित कंपनी के अधिकारी सोमवार को संस्थान में आए। इस दौरान बीटेक फाइनल के 10 विद्यार्थियों का वाइस प्रेसिडेंट ब्राजेश सराफ, एचआर मैनेजर राजेश कुमार ने प्लेसमेंट इंटरव्यू लिया। इस दौरान अधिकारियों ने अनुप कुमार सिंह, सचिन यादव व कुमारी प्रिया सिंह का चयन किया। कहा कि संस्थान का हमेशा प्रयास रहता है कि कालीन व कपड़ा उद्योग को बेहतर प्रतिभाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस मौके पर डा. बेट्टीदास गुप्ता, विमानचंद राय आदि मौजूद रहे।

Welcome Party to Freshers, Amar Ujala, Date: 09/09/2017

फ्रेशर्स पार्टी में छात्रों ने मचाया धमाल

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शनिवार को बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्रों ने नव प्रवेशी प्रथम वर्ष के छात्रों को फ्रेशर्स पार्टी दी। मौके पर परंपरागत रूप से रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने धमाल मचाया। छात्रों ने लतीफे सुनाकर लोगों को लोटपोट किया। वहीं, संगीत की धुन पर गीत और नृत्य कर अपनी प्रतिभा का परिचय कराया।

परंपरागत रूप से रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने कहा कि जीवन में पढ़ लिखकर सफल व्यक्ति बनना सबकी इच्छा होती है लेकिन बहुत कम लोग समझ पाते हैं कि सफलता कैसे मिलती है। उन्होंने बताया कि हर छात्र को अनुशासन में रहकर सफलता के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज लक्ष्य तय करना भी जरूरी है। साथ ही आपका प्रयास ईमानदार प्रयास होना चाहिए। उन्होंने पुराने छात्रों से कहा कि नवप्रवेशी छात्र आपके छोटे भाई जैसे हैं। कार्यक्रम के चलते शनिवार की शाम उमंग भरी थी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। नए छात्रों ने गीत गाकर, नृत्य कर, सोलो डांस, सोलो प्लेबैक गायन कर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। कुछ छात्राओं ने अपने नृत्य से खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान बीच-बीच में लतीफे प्रस्तुत कर लोगों को खूब हंसाया भी। तीन घंटे तक चले कार्यक्रम में गत वर्ष के खेल पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। इसके बाद, वंदे मातरम गीत से शुभारंभ कर रंगारंग कार्यक्रम भी हुआ। सभी प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया, जिनका पुराने छात्रों ने तहे दिल से स्वागत किया। संचालन शैलेश सिंह और अनीशा ने किया। प्रो. एसके पाल, आरके मलिक ने भी संबोधित किया। मुख्य रूप से सिद्धार्थ शुक्ला, बीडी गुप्ता, मोमिता बेरा, सिद्धार्थ शुक्ला, जयंत देशपांडेय, विजय श्रीवास्तव, आर कर्माकर, दुर्गेश त्रिपाठी, अनुपम अग्रवाल, श्रवण कुमार गुप्ता, अमिताभ चटर्जी आदि मौजूद रहे।

Teacher's Day Celebration, Hindustan, Date: 07/09/2017

पर निर्भर रहने वाले कृषकों के सामने

समाजवादी पार्टी के लोग विरोध-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

ज्ञान के भंडार से गुरुजन कराते हैं लाभांवित

गुरु महिमा

भदोही | निज संवाददाता

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में मंगलवार की शाम शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान जिलाधिकारी विशाख जी व पुलिस अधीक्षक सचिंद्र पटेल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए गुरुजनों की महिमा से रूबरू कराया।

डीएम विशाख जी ने कहा कि जीवन में पहला गुरु होने का दर्जा मां को प्राप्त है। उसके बाद दूसरा हमें अपने ज्ञान भंडार से लाभांवित कराने वाले गुरु का। अध्यापक न सिर्फ हमें किताबी ज्ञान देता है, बल्कि उसके द्वारा बताई गई व्यवहारिक बातें जीवन में आने वाले तमाम उतार-चढ़ाव से निकलने का रास्ता हमे दिखाता है। कहा कि जिस व्यक्ति पर गुरु की कृपा होती है, उसका ईश्वर भी अहित नहीं कर पाता।

शहर से सटे आईआईसीटी परिसर में मंगलवार की शाम शिक्षक दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर करते डीएम विशाख जी, एसपी सचिंद्र पटेल।

पुलिस अधीक्षक सचिंद्र पटेल ने कहा कि शिक्षक दिवस के दिन हम अपने गुरु को याद कर उसे धन्यवाद देते हैं। धरती पर मानव को बिना गुरु कृपा के सफलता हासिल हो ही नहीं सकती। गुरुजन हमें निःस्वार्थ भाव से ज्ञान देते हैं, जिसका आगे चलकर हम अपने खुद के लाभ, परिवार के जीविकोपार्जन व राष्ट्र की उन्नति में प्रयोग करते हैं। संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने अधिकारियों को संस्थान की विशेषताओं से अवगत कराया। इसके पूर्व अधिकारियों द्वारा संस्थान में क्वालिटी सर्कल बोर्ड का अनावरण किया गया। छात्र योगेश कुमार ने योग आसनों को प्रस्तुत कर मन मोह लिया। इस मौके पर हाजी अब्दुल रब अंसारी, असफाक अंसारी, कमरांद मेंहेंडाले

Pre Teacher's Day

Amar Ujala Date: 29/08/2017

गुणवत्ता के लिए मापदंड तय करना जरूरी

आईआईसीटी के निदेशक ने छात्र-छात्राओं को किया संबोधित

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

पांच सितंबर को शिक्षक दिवस की तैयारियों के संदर्भ में सोमवार को भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बीटेक छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस मनाने से पहले हम सबको सर्वप्रथम सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी के बारे में समझना चाहिए। उनके विचारों को जब तक हम नहीं समझेंगे, तब तक शिक्षक दिवस मनाना बेमानी होगा।

उन्होंने कहा कि आज केवल कार्य पर ही ध्यान नहीं देना है बल्कि कार्य में गुणवत्ता कैसे आए इस पर विचार करना मुख्य बिंदु हो गया है। इस वर्ष प्रवेश पाने वाले छात्रों से कहा कि गुणवत्ता के लिए ऐसे मापदंड निर्धारित करें, जिससे आपकी मानसिकता, दृष्टिकोण व दूरदृष्टि विकसित हो। इससे आप जिम्मेदार नागरिक बन सकेंगे और तभी सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्श पूरे होंगे और इस संस्थान की स्थापना के उद्देश्य पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं को पांच बिंदुओं पर कार्य करके दिखाना है। आतंकवाद, भ्रष्टाचार, स्वच्छता मिशन, गरीबी उन्मूलन और चरित्र निर्माण। इस मौके पर डा. एसके पाल, डा. एसके पांडेय, डा. आर कर्माकर, आरके मलिक, डा. बीडी गुप्ता, डा. मोमिता बेरा, डा. राघवेंद्र चौबे आदि उपस्थिति थे।

शिक्षक दिवस के संदर्भ में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते निदेशक प्रो.गोस्वामी।

Dainik Jagran Date: 29/08/2017

आइआइसीटी के नव प्रवेशियों को गुरुमंत्र

भदोही : आगामी पांच सितंबर को शिक्षक दिवस की तैयारियों के मद्देनजर सोमवार को भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में संस्थान के निदेशक डा. केके गोस्वामी ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को गुरुमंत्र दिया। इस दौरान नए छात्रों को क्वालिटी सर्कल में ऐसा स्थान निर्धारित करने को कहा जिससे वे मानसिक रूप से मजबूत हो सकें।

क्वालिटी सर्कल मेंटरों को संबोधित करते हुए कहा कि नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए योजनाओं का निर्धारण कर उन्हें मानसिक रूप से सुदृढ़ करने के साथ दूर दृष्टि में पारंगत किया जाय। कहा कि आज देश के युवाओं को पांच बिंदुओं पर काम करना है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद, स्वच्छता मिशन, गरीबी उन्मूलन तथा चरित्र निर्माण। कहा कि शारीरिक व मानसिक रूप से स्वयं स्वस्थ होकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। इसके अलावा आगामी पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम के बारे में लोगों को अवगत कराते हुए तैयारियों पर बल दिया। इस मौके पर डा. एसके पाल, डा. एसके पांडेय, डा. आर कर्माकर, डा. आरके मलिक, डा. बेट्टिदास गुप्ता, डा. मोमिता बेरा तथा डा. राघवेंद्र चौबे आदि थे।

आइआइसीटी में नवागत छात्रों को संबोधित करते निदेशक • जागरण

Hindustan Date: 26/08/2017

आईआईसीटी में सोमवार को शिक्षक दिवस की तैयारियों को लेकर विद्यार्थियों को निर्देश देते निदेशक प्रो. केके गोस्वामी।

शिक्षक दिवस पर लेंगे पांच सूत्रीय संकल्प

भदोही | निज संवाददाता

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में सोमवार को शिक्षक दिवस के बाबत बैठक हुई। बैठक में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने भाग लिया और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी।

संस्थान के प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि पांच सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा। गुरु व शिष्य के पवित्र रिश्ते को दर्शाने वाले उक्त पर्व को ज्ञान से परिपूर्ण व भारतीय संस्कृति से लबरेज करने की कवायद चल रही है। विशेष तौर पर इस वर्ष शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों को पांच सूत्रों आतंकवाद, भ्रष्टाचार, स्वच्छता, गरीबी उन्मूलन व चरित्र निर्माण पर बल देने का आह्वान किया जायेगा और तय हुआ कि पांच सितम्बर को पांच सूत्र संकल्प लिया जायेगा। संस्थान के निदेशक ने विद्यार्थियों के साथ ही अधिकारियों व कर्मचारियों से भी पांच सूत्रों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। बैठक में डॉ. एसके पाल, डॉ. एसके पांडेय, डॉ. आर कर्माकर, आरके मलिक, डॉ. बेट्टीदास गुप्ता रहे।

Carpet Embroidery Seminar / Workshop

Amar Ujala Date: 26/08/2017

अपना शहर | भदोही | अमर उजाला | वाराणसी | रविवार, 26 अगस्त 2017 | 2

आईआईसीटी में कशीदाकारी प्रशिक्षण

कार्यशाला में प्रशिक्षुओं को संबोधित करते प्रो.केके गोस्वामी

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

नगर स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शुक्रवार से कालीन कशीदाकारी के तहत डिजाइनिंग और तकनीक विकास पर मासिक कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला में अनुसूचित जाति के 30 प्रशिक्षुओं को दरी पर एंब्रायडरी और इसके तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए निदेशक, प्रो. केके गोस्वामी ने कहा कि सरकार अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों की क्षमता विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि कालीन निर्माण में युवाओं को करने के लिए बहुत कुछ है। कार्यक्रम के मुख्य परियोजना समन्वयक श्रवण कुमार गुप्ता ने बताया कि डिजाइनर उर्मिला केसरवानी और रामबलि बिंद के निर्देशन में अभ्यर्थियों को 10 सैंपल बनाने हैं। बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थियों को 300 रुपये स्टाइपेंड केंद्र सरकार दे रही है। प्रतिदिन पांच घंटे कार्यशाला चलेगी। अंत में प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। पहले दिन प्रो. एसके पाल, एसके सिनहा, नंदलाल गुप्ता, डॉ.एसके पांडेय, सिद्धार्थ शुक्ला ने भी संबोधित किया।

Hindustan Date: 26/08/2017

कशीदाकारी कार्यशाला के बारे में दी जानकारी

भदोही | निज संवाददाता

शहर के चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शुक्रवार को कालीन कशीदाकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से होने वाले उक्त कार्यशाला में अनुसूचित जाति के 30 अभ्यर्थियों को एक महीने तक ट्रेनिंग दी जाएगी।

संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी व निदेशक आईआईसीटी प्रो. एसके पाल ने अभ्यर्थियों को बताया कि कार्यशाला में उन्हें 25 कार्य दिवसों में विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन व तकनीकी के बारे में जानकारी दी जाएगी। जिससे वे रोजगार आसानी से पा सकें। 25 अगस्त से 25 सितंबर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा।

इस मौके पर परियोजना समन्वयक श्रवण कुमार गुप्ता, एसके सिन्हा, नंदलाल गुप्ता, डा. एसके पांडेय, सिद्धार्थ शुक्ला, उर्मिला केशरवानी, रामबली बिंद, नंदलाल गुप्ता आदि रहे। कार्यक्रम के अंत में बीटेक के अभ्यर्थी शशिरंजन व सुनील कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया।

Amra Ujala dt.03.07.2017 & photograph of event regarding IICT, Bhadohi participated at Mega Show India Expo-2017 Gandhinagar, Gujrat.

ंभ टेक्सटाइल्स इंडिया में जिले का दबदबा

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

आईसीपीसी-आईआईसीटी के स्टाल पर पहुंची केंद्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी

गुजरात के गांधीनगर में आयोजित मेगा शो टेक्सटाइल्स इंडिया-2017 भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के लिए अपने हुनर का प्रदर्शन करने में अच्छा प्लेटफार्म साबित हुआ है। विश्व भर से आए प्रतिनिधियों ने जहां यहां के निर्यातकों के पवैलियन में उत्कृष्ट कालीनों का अवलोकन किया, वहीं कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) और आईआईसीटी के संयुक्त स्टाल पर परंपरागत लूम व कालीन निर्माण से जुड़ी विभिन्न विधाओं और औजारों को देखने का अवसर नहीं गंवाया। आईआईसीटी के स्टाल पर रविवार को केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय स्मृति जुबिन इरानी ने पहुंच कर स्टाल का जायजा लिया। गांधीनगर से आईआईसीटी निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने स्टाल पर प्रदर्शित कालीन बुनाई के आईआईसीटी द्वारा विकसित लूम को देखा और वर्षों से हो रहे औजारों के इस्तेमाल की प्रसंशा की। मेगा शो में भाग लेने आईआईसीटी के आठ छात्रों का दल और फेकल्टी सदस्य भी गए हैं। फोन पर सीईपीसी चेयरमैन महावीर प्रताप उर्फ राजा शर्मा ने बताया कि मेगा शो भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों को दुनिया भर में अहम स्थान दिलाने में कारगर सिद्ध होगा।

तीन दिन के इस फेयर में प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, परिवहन मंत्री के अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों की भागीदारी से इस मेगा शो की गूंज दूर-दूर तक गई है। इतना ही नहीं मेगा शो में विश्व के कई देशों को राजनयिकों की भागीदारी से भारतीय उद्योगों को लाभ मिलता तय हैं।

19-04-2017- Two days workshop on Indigo Talk and Indigo and Natural Dye at NIFT, Rae Bareli

हिन्दुस्तान - 19 अप्रैल 2017

निफ्ट में चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का शुभारम्भ

रायबरेली | हिन्दुस्तान संवाद

निफ्ट रायबरेली में दो दिवसीय इंडिगो-टॉक एवं इंडिगो और नैचुरल डाई वर्कशॉप का आयोजित की जा रही है। पहले दिन भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही के एसोसिएट प्रोफेसर डा. आरके मलिक ने विद्यार्थियों को इंडिगो एवं नैचुरल डाई के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने नैचुरल डाई को कपड़े पर छपाई करने की विधि को प्रयोग करके दिखाया। निफ्ट के निदेशक डा. भारत साह ने इंडिगो टेक्नालॉजी एवं इवोल्यूशन विषय पर हुये संबोधन को देश प्रेम से जोड़ते हुये नैचुरल डाई को फैशन के क्षेत्र में प्रयोग करने पर जोर दिया। डा. साह ने बताया कि आज से ठीक 100 वर्ष पूर्व 1917 में गांधी जी द्वारा चम्पारण सत्याग्रह आंदोलन न सिर्फ भारतीय बल्कि विश्व के इतिहास की ऐसी घटना है जिसने ब्रिटिश सामाज्यवाद को चुनौती दी थी। आंदोलन का एकमात्र उद्देश्य किसानों की समस्याओं को समझना, उसका निदान करना और नील के धब्बों को मिटाना था। गांधी जी का चम्पारण सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युग की शुरूआत माना जाता है।

दक्षिण अफ्रीका से आकर गांधीजी ने सर्वप्रथम सत्याग्रह आंदोलन का बिगुल यहीं से शुरू किया था। चम्पारण शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान अपने सभी सोलह केन्द्रों पर चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह आयोजित कर रहा है, जिसमें विद्यार्थियों को जागरूक करने हेतु इंडिगो-टॉक और प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। समापन समारोह 19 अप्रैल को होगा।

अमर उजाला - 19 अप्रैल 2017

देश प्रेम से जुड़ा है नेचुरल डाई का फैशन : डॉ. शाह

अमर उजाला ब्यूरो

रायबरेली।

निफ्ट के चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह में दी जानकारी

महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह आंदोलन का शताब्दी समारोह निफ्ट में मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। निफ्ट निदेशक डॉ. भारत शाह ने कहा कि नेचुरल डाई का फैशन देश प्रेम से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले 1917 में गांधीजी ने चंपारण सत्याग्रह आंदोलन न सिर्फ भारतीय इतिहास बल्कि विश्व इतिहास की ऐसी घटना है, जिसने ब्रिटिश सरकार को चुनौती दी थी। इसका एकमात्र उद्देश्य किसानों की समस्याओं को समझना, उसका निदान करना था। कहा कि गांधीजी का चंपारण सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युग की शुरुआत माना जाता है। दक्षिण अफ्रीका से आकर गांधीजी ने सर्वप्रथम सत्याग्रह आंदोलन का बिगुल यहीं से फूंका था। नील कामगारों (नीलहों) की समस्या एवं तिनकठिया खेती से किसानों को मुक्ति दिलाने का प्रयास था। बताया कि चंपारण शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान अपने सभी 16 केंद्रों पर समारोह मना रहा है। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आरके मलिक ने छात्र-छात्राओं को इंडिगो एवं नैचुरल डाई के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही नैचुरल डाई को कपड़े पर छपाई करने की विधि को प्रयोग करके दिखाया। कहा कि हमें अपनी पुरानी सभ्यताओं का भी विशेष ध्यान और ज्ञान रखना चाहिए। इस मौके पर निफ्ट के तमाम छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

दैनिक जागरण - 19 अप्रैल 2017

निफ्ट की वर्कशॉप में प्रशिक्षण लेते अभ्यर्थी • जागरण

निफ्ट में चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह शुरू

जागरण संवाददाता, रायबरेली : गांधी जी के चंपारण आंदोलन के 100 साल पूरे हो गए इस आंदोलन की याद में चम्पारण शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय फैशन टेक्नालॉजी संस्थान (निफ्ट) अपने सभी सोलह केंद्रों पर चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह आयोजित कर रहा है जिसमें छात्र-छात्राओं को जागरुक करने हेतु इंडिगो-टॉक और प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में निफ्ट, रायबरेली में दो दिवसीय इंडिगो-टॉक एवं इंडिगो और नैचुरल डाई वर्कशॉप का आयोजित की जा रही है।

ठीक 100 वर्ष पूर्व 1917 में गांधी जी द्वारा चंपारण सत्याग्रह आंदोलन न सिर्फ भारतीय इतिहास बल्कि विश्व इतिहास की ऐसी घटना है जिसने ब्रिटिश सामाज्यवाद को चुनौती दी थी जिसका एकमात्र उद्देष्य किसानों की समस्याओं को समझना, उसका निदान करना और नील के धब्बों को मिटाना था। गांधी जी का चंपारण सत्याग्रह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युग की शुरूआत माना जाता है। दक्षिण अफ्रीका से आकर गांधीजी ने सर्वप्रथम सत्याग्रह आंदोलन का बिगुल यहीं से शुरू किया था। नील कामगारों (नीलहों) की समस्या एवं तिनकठिया खेती से किसानों को मुक्ति दिलाने का प्रयास था। इंडिगो शब्द ग्रीक भाषा के इंडिकॉन-इंडियाज ब्लू डाई से लिया गया है। कार्यक्रम के तहत प्रथम दिवस डा. आरके मलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही (उ0प्र0) ने विद्यार्थियों को इंडिगो एवं नैचुरल डाई के बारे में विस्तार से बताया तथा नैचुरल डाई को कपड़े पर छपाई करने की विधि को प्रयोग करके दिखाया। निफ्ट के निदेशक डा. भारत साह ने इंडिगो टेक्नोलॉजी एवं इवोल्यूशन विषय पर हुये संबोधन को देश प्रेम से जोड़ते हुये नैचुरल डाई को फैशन के क्षेत्र में प्रयोग करने पर जोर दिया।

इंटरव्यू में आईआईसीटी के चार छात्रों का चयन

दुबई की कालीन कंपनी में प्लेसमेंट पाने वाले प्रशांत, निलय, उपेंद्र व दिलीप

दुबई की कंपनी के लिए हुआ छात्रों का चयन

भदोही। दुबई की प्रतिष्ठित कालीन कंपनी स्टैंडर्ड कारपेट ने भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के चार छात्रों को अपने यहां जॉब के लिए चयनित किया है। सोमवार को कंपनी के प्रोडक्शन मैनेजर रूपम चक्रवर्ती ने कैंपस इंटरव्यू कर चार छात्रों का चयन किया। चयन होने के बाद चारों छात्र उत्साह से भर उठे हैं।

आईआईसीटी में कालीन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी में चार वर्षीय बीटेक डिग्री कोर्स कर रहे छात्रों की अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा आगामी मई-जून में होगी, लेकिन उससे पहले ही छात्रों के प्लेसमेंट का सिलसिला शुरू हो गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि अंतिम सेमेस्टर में कुल 58 छात्र परीक्षा देंगे जिसमें से अब तक 36 छात्रों को नौकरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके छात्र कालीन अथवा वस्त्रोद्योग में किसी भी स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। बताया कि पूर्व के छात्र देश की नामी गिरामी प्रतिष्ठानों में कार्यरत हैं। इस बीच सोमवार को प्लेसमेंट इंटरव्यू में कंपनी के प्रोडक्शन मैनेजर ने प्रशांत द्विवेदी, निलय पटिदार, उपेंद्र भारद्वाज और के दिलीप का चयन किया। इंटरव्यू के दौरान संस्थान के बीसी रे और बीडी गुप्ता भी मौजूद रहे।

15-04-2017

...प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ललित नारायण पासी।

डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते चेयरमैन प्रह्लाद दास गुप्ता।

डॉ. अंबेडकर के योगदान पर चर्चा

जयंती पर दलों ने अंबेडकर के सपनों को पूरा करने का लिया संकल्प

अमर उजाला ब्यूरो

ज्ञानपुर।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस शुक्रवार को जिलेभर में राजनीतिक दलों की ओर से धूमधाम से मनाया गया। जयंती पर सभी दलों ने बाबा साहब के योगदान की सराहना की। साथ ही उनके सपनों का भारत बनाने के लिए संकल्प लिया गया। असनाव बाजार में लोक जनशक्ति पार्टी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती केक काटकर मनाई। जिला इकाई की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ललित नारायण पासी ने जन्मदिवस की बधाई दी। जिलाध्यक्ष घनश्याम सरोज, दूधनाथ पासवान, आशा देवी, बाबू नंदन, सूबेदार, असलम हाश्मी, हबीब, शबनम, जुलेखा, राम प्रसाद, अखिलेश, पंकज आदि रहे।

इसपा के जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष आरिफ सिद्दीकी ने डॉ. अंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। दुखरन यादव, वजीर आलम, विनोद कुमार, नान्हक यादव, प्रमोद यादव, मिंटू बेग, तेजू, बब्बू, घनश्याम,विनोद यादव आदि रहे।

भाजपा की ओर से डॉ. अंबेडकर की जयंती कार्यक्रम में उनके विचार कि हर दस साल पर नोट बदल देने चाहिए के बारे में बताया गया। रिंकू सिंह, रामेश्वर उपाध्याय, आनंद मिश्र, विमल मिश्र, गुलाब मौर्य, राकेश बिंद, संतोष पांडेय आदि रहे। इसी तरह लोक कल्याण विधिक एवं संरक्षण समिति की ओर से भी डॉ. अंबेडकर के योगदान पर चर्चा की गई। दीपक रावत, राजबहादुर यादव, राजधर बिंद, शशिप्रकाश आदि रहे।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन से जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर उपाध्यक्ष मुरलीधर, रमाशंकर यादव, राकेश कुमार, सोमारू राम, राजकुमार, शिवमणि आदि रहे। सीखापुर के सागररायपुर गांव में कांशीराम समाज सेवा की ओर से डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई गई। जयप्रकाश भारतीय, रविंद्र कुमार, वंशराज आदि रहे। महाराज कुमार अनंत नारायण सिंह विद्या संस्थान में अंबेडकर जयंती मनाई गई। अभय कुमार, दिनेश मालवीय, चंद्र प्रसाद, प्रमोद, अमरेंद्र, गीमा शुक्ला, मंजू, नीता आदि रहे।

सुभाषनगर संवाददाता के अनुसार, उप डाकघर ऊंज में डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई गई। डाकपाल शिवशंकर, जगदीश तिवारी आदि रहे। इसी तरह ऊंज थाने में थानाध्यक्ष नवीन कुमार तिवारी ने नेतृत्व में डॉ. अंबेडकर जयंती मनाई गई। इसी तरह चौधरी चरण सिंह इंटर कॉलेज अजीत नगर में कार्यक्रम हुआ। शिवप्रताप यादव, जटाशंकर आदि रहे। वहिदानगर पावर हाऊस पर संजय यादव की अध्यक्षता में रोही में राम तवंकल इंटर कॉलेज में प्रबंधक राजेश दुबे की अध्यक्षता में जयंती मनाई गई। महराजगंज संवाददाता के अनुसार क्षेत्र में डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई गई। ऊंज संवाददाता के अनुसार, क्षेत्र के कूबी हर्दोपट्टी एवं कुरमैचा में डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई गई। रविकांत, हरिगेन बिंद, राजकुमार, सत्यनारायण, केश व प्रसाद, गुलाबधर,महेश कुमार, श्यामलाल रहे। मोढ़ संवाददता के अनुसार इलाके के डुढ़वा धर्मपुरी में जयंती मनाई गई। इसमें विधायक भदोही रविंद्र त्रिपाठी शामिल हुए। कलंदर, विजय, तुलसी, कमलेश, राजेश आदि रहे। भाजपा की ओर से पटेल नगर में जयंती पार्टी कार्यालय पर मनाया गया।

आईआईसीटी में शिल्पियों को भीम एप के बारे में जानकारी देते निदेशक प्रो.के. के. गोस्वामी

बुनकरों को भीम एप से कराया रुबरु

भदोही। वस्त्र मंत्रालय के निर्देश पर भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) द्वारा शुक्रवार को पुरशोत्तमपुर चौरी और आईआईसीटी में कालीन बुनकरों, मजदूरों को भीम एप से रुबरू कराया गया। निदेशक प्रो.के. के.गोस्वामी ने कहा कि भीम भारत सरकार का एप है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। 450 कामगारों को प्रशिक्षित किया गया। बैंक आफ बड़ौदा जमुनीपुर के शाखा प्रबंधक रोहित गुप्ता, रमेश सिंह, गोवर्धन राय, संजय दूबे, बसंत कुमार, पंकज कुमार के अलावा संस्थान के डा. एसके पाल, सिद्धार्थ शुक्ल, जयंत देशपांडेय, मुमताज अंसारी, डा.मोमिता बेरा आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला Shopping MART

दी गई भीम एप्लीकेशन की जानकारी

भदोही | निज संवाददाता

शहर से सटे भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शुक्रवार को संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इसके बाद आईआईसीटी, पुरुषोत्तमपुर व चौरी बाजार में शिविर लगाकर शिल्पियों को भीम एप्लीकेशन के बारे में जानकारी दी गई।

संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने कहा कि दलितों, वंचितों के मसीहा डा. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण के दौरान उन्हें समाज की अगली पंक्ति में खड़ा करने का काम किया है। उनकी अगुवाई में भारत का संविधान आज पूरी दुनियां में सबसे बेहतर है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैशलेस समाज स्थापना पर बल दिया। चौरी बाजार व पुरुषोत्तमपुर में आयोजित शिविर में पहुंचे 210 शिल्पियों को भीम एप्लीकेशन के फायदे से अवगत कराया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बहरी शाखा के प्रबंधक व बैंक ऑफ बडौदा जमुनीपुर के शाखा प्रबंधक रोहित गुप्ता व गोवर्द्धन राय ने शिल्पियों को भीम एप्लीकेशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस सुविधा से बिना मोबाइल, एटीएम कार्ड के ही कहीं भी कभी भी पैसों का लेन देन कर सकते हैं। इसके बाद आईआईसीटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 240 शिल्पियों को भी भीम एप्स के बारे में जानकारीं दी गई। साथ ही 40 शिल्पियों के मोबाइल में भीम एप्स डाउनलोड कराया गया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश सिंह, संजय कुमार दुबे, बसंत कुमार, पंकज कुमार, वीके सिन्हा, डा. एसके पाल, सिद्धार्थ शुक्ल, जयंत देश पांडे, एमए अंसारी, डा. मोमिता बेरा, श्रवण कुमार गुप्ता आदि थे।

आईआईसीटी में शुक्रवार को भीम एप्लीकेशन के बारे में शिल्पियों को जानकारी देते संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी। ● हिन्दुस्तान

Hindustan, Hindi daily dated 07.04.2017

आईआईसीटी को एनएएलबी की टीम से मिली मान्यता

भदोही | निज संवाददाता

शहर से सटे भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में स्थित सभी टेस्टिंग लैब को दोबारा दो वर्षों के लिए मान्यता मिल गई है। पिछले दिनों संस्थान आई राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएएलबी) की टीम द्वारा गहन परीक्षण के बाद उक्त मान्यता दी गई। संस्थान परिवार में कामयाबी मिलने पर हर्ष व्याप्त है।

संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि अमेरिका, यूरोप आदि देशों में एनएएलबी द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणित संस्था की प्रयोगशालाओं का स्तर अति उच्च माना जाता है। कालीन व वस्त्र उद्योग से जुड़ी संस्थाएं संस्थान से अपने सेम्पल्स को प्रमाणित करवाती हैं। उन्होंने टीम को बधाई देते हुए कार्य और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 से लगातार संस्थान को उक्त मान्यता मिलती चली आ रही है। पिछले दिनों एनएएलबी की टीम के सदस्यों ने संस्थान का निरीक्षण किया था, जिसके बाद उक्त मान्यता मिली है। इससे लोगों में हर्ष व्याप्त है।

आईआईसीटी के 12 छात्रों को रोजगार

भदोही | निज संवाददाता

शहर के भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) परिसर में बुधवार को प्लेसमेंट इंटरव्यू का आयोजन किया गया। इस दौरान वापी, गुजरात प्रांत की वेलस्पन इंडिया लिमिटेड (कपड़ा समूह) द्वारा एक दर्जन बीटेक छात्रों का चयन किया गया।

संस्थान के निदेशक डा. केके गोस्वामी ने बताया कि वेलस्पन इंडिया लिमिटेड कम्पनी द्वारा लिए गए इंटरव्यू में सफल दिनेश, मंदिरा, शुभम, धीरेंद्र, अंकित, अवनीश, श्रीजा, हिमांशु, पियुष, गोपाल, रोहित व अंकित तिवारी का चयन किया गया। कहा कि वस्त्र व प्रौद्योगिकी में चार वर्षीय बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों को मौका मिला है।

आईआईसीटी सभागार में गुजरात की कम्पनी द्वारा चयनित छात्र व अधिकारी।

कहा कि संस्थान का एक मात्र उद्देश्य यह है कि विद्यार्थियों को अधिकाधिक मौका दिलाना है।

उन्होंने छात्रों से मेहनत करने का आह्वान किया। कहा कि कठिन परिश्रम ही उन्हें बेहतर अवसर दिलाएगा। इस दौरान कम्पनी के उत्पल हलधर व आरती नागपाल संस्थान से आए थे। कहा कि कालीन नगरी में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें प्लेटफार्म देने की जरुरत है, जिसमें कम्पनी कुछ योगदान दे रही है।

वेलस्पन गुजरात ने दिया 12 छात्रों को प्लेसमेंट

भदोही। गुजरात की प्रसिद्ध टेक्सटाइल कंपनी वेलस्पन इंडिया लि. ने भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के 12 बीटेक छात्रों को जाब आफर दिया है। यह आफर कंपनी के मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को कैंपस प्लेसमेंट के दौरान दिया। संस्थान ने निदेशक प्रो.केके गोस्वामी ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान इंटरव्यु में सफल दिनेश, मंदिरा, शुभम, धीरेंद्र, अंकित, अवनीश, श्रीजा, हिमांशू, पियूष, गोपाल, रोहित, अंकित तिवारी का चयन किया। निदेशक ने बताया कि कालीन और वस्त्र प्रौद्योगिकी में चार वर्षीय बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों के प्लेसमेंट इंटरव्यु के लिए कंपनी से उत्पल हलधर और आरती नागपाल संस्थान आए थे। जाब आफर से सभी छात्र उत्साह से लबरेज हैं।

Amar Ujala dt. 09.02.2017

arujala.com

अमर उजाला

कारपेट डिजाइनरों की तैयार हो रही नई पौध

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

वह दिन दूर नहीं जब दुनियाभर में प्रसिद्ध भदोही के कालीन नए लुक में लोगों को लुभाएंगे। भारत की समृद्ध प्राचीन सभ्यताओं और स्वदेशी की खासियत को समेटे हुए ये कालीन मॉडर्न तरीके से तैयार किए जाएंगे। नए तरीके से कालीन डिजाइन करने वाले युवा कालीन डिजाइनरों की पौध भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में तैयार हो रही है, जिन्हें हाथ की बजाए कंप्यूटर से डिजाइन तैयार करने का हुनर सिखाया जा रहा है।

आईआईसीटी के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि उनका संस्थान कालीन प्रौद्योगिकी में बीटेक डिग्री देने वाला देश का अकेला संस्थान है।

बताया कि तेजी से हो रहे तकनीकी विकास को देखते हुए संस्थान में युवाओं को कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग (कैड) में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान के इस कोर्स के प्रति बड़ी संख्या में युवा विशेषकर छात्राएं आगे आ रही हैं। कालीन की बात बगैर

आईआईसीटी

हाथ के हुनर में टेक्नोलॉजी का तड़का

डिजाइनिंग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा।

डिजाइनिंग के पूरी नहीं होती।

हाथ और कंप्यूटर डिजाइनिंग में काफी अंतर है। कंप्यूटर से जहां काम तेजी से हो पाता है, वहीं एक ही क्लिक में रंगामेजी बदल कर उसका लुक देखा जा सकता है। कौन सा रंग कितना लगेगा, यह भी एक क्लिक से जाना जा सकता है। बताया कि वर्तमान में संस्थान में छह माह का कोर्स चल रहा है। बताया कि कोर्स कर बड़ी संख्या में छात्र जॉब कर रहे हैं। जबकि ऐसे भी अभ्यर्थी हैं, जो खुद की डिजाइनिंग कर रहे हैं। कैड प्रशिक्षक सीएस वाजपेयी ने बताया कि यहां युवाओं को भारतीय सभ्यता के डिजाइन तैयार करने को प्रेरित कर रहे हैं। क्योंकि आज भी भारतीय कालीनें कहीं पर्शियन तो कहीं नेपाली अथवा दूसरे देशों की सभ्यता पर आधारित हैं। हम युवाओं को स्वदेश की ओर आकर्षित कर रहे हैं। बताया कि यहां प्रशिक्षित युवक अपनी काबिलियत के बल पर 80 हजार रुपये तक वेतन पा रहे हैं।

बहुत से युवा पानीपत, जयपुर में डिजाइनिंग कर रहे हैं। डिजाइनिंग कोर्स कर रहीं छात्राएं शबाना परवीन, साधना यादव, ज्योति मिश्र आदि ने कहा कि इसमें अपने विजन और रचनात्मकता को विस्तार देने का पूरा अवसर है। डिजाइनिंग डिपार्टमेंट के प्रमुख आर. कर्माकर ने बताया कि कम से कम हाईस्कूल पास और कला में शौक होना मुख्य आवश्यकता होती है। इसके बाद युवक कितनी चतुराई से रंगों का इस्तेमाल कर सकता है, यह उसकी काबिलियत पर निर्भर करता है। एक बैच में केवल 30 प्रशिक्षुओं को प्रवेश मिल पाता है इसलिए प्रवेश परीक्षा कराई जाती है।

3 days Seminar / Workshop in CAD during 22nd to 24th October 2016

अपना शहर भदोही अमर उजाला वाराणसी मंगलवार, 25 अक्तूबर 2016 2

रंगामेजी, डिजाइनिंग का लिया प्रशिक्षण 3

आईआईसीटी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

अमरउजाला ब्यूरो

भदोही।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में गत 22 अक्टूबर से हुए तीन दिवसीय डिजाइन प्रशिक्षुओं को सोमवार को प्रमाण पत्र दिया गया। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय से संचालित इस कार्यक्रम के तहत कालीन डिजाइनिंग में लगे 60 लोगों को चयनित कर उन्हें दक्षता प्रदान करना था।

निदेशक, प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि 60 सीटों के लिए कुल 152 लोगों ने आवेदन किया था। डिजाइन टेस्ट में कुल 136 लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें से तीन दिवसीय कोर्स के लिए 60 का चयन किया गया था।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें रंगामेजी, डिजाइनिंग आदि में दक्षता प्रदान करने के साथ साथ ही संबंधित टिप्स दिए गए। कार्यक्रम समन्वयक आर कर्माकर और सीएस बाजपयी ने प्रशिक्षुओं को सीख दी।

ज्ञान
नरेश
छात्र
सूची
लिए
लिए
तक
दिया
यादव
कर
कैंप

8 दैनिक जागरण वाराणसी, 25 अक्टूबर 2016 भदोही/मीरजापुर www.jagran.com

प्रशिक्षुओं को मिला प्रमाण पत्र

भदोही : विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) की ओर से भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइसीटी) मे चल रहे तीन दिवसीय कार्पेट डिजाइन कार्यशाला का सोमवार को समापन हो गया। इस दौरान विभिन्न प्रक्रिया से गुजरने वाले पांच दर्जन प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। बेसिक एलिमेंट्स आफ कारपेट डिजाइन क्रिएशन इन कार्पेट मैन्युफैक्चरिंग वर्कशाप फार यूथ आफ द सोसाइटी के तहत चयनित पांच दर्जन प्रशिक्षुओं को कालीन डिजाइन की बारीकियों से अवगत कराया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग अलग प्रशिक्षकों द्वारा कालीन निर्माण संबंधी विभिन्न जानकारी व प्रशिक्षण दिया गया। सोमवार की शाम कार्यशाला के समापन पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरण करते हुए उनके सुंदर भविष्य की कामना की गई। बताते चले कि कार्यशाला के लिए आवेदन करने वाले 152 लोगों का गत 17 अक्टूबर को टेस्ट लिया गया था। इनमे उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले 60 लोगों को प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया था। समापन के दौरान संस्थान के निदेशक डा. केके गोस्वामी, मुख्य परियोजना समन्वयक प्रो. डा. एसके पाल, डा. बेट्टीदास गुप्ता, कार्यशाला समन्वयक डा. आर कर्माकर, सीएस बाजपेई सहित संस्थान के समस्त शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

भदोही आज का दिन हिन्दुस्तान • वाराणसी • मंगलवार • 25 अक्तूबर 2016 04

डिजाइन रचना के मूल तत्वों से कराया अवगत

भदोही | निज संवाददाता

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा संचालित तीन दिवसीय बेसिक इलेमेंट्स ऑफ कारपेट डिजाइन क्रिएशन इन कारपेट मैनुफैक्चरिंग वर्कशाप फॉर यूथ ऑफ द सोसायटी का समापन सोमवार को हो गया। इस दौरान डिजाइन टेस्ट में अच्छा कार्य करने वाले 60 प्रशिक्षिओं को प्रमाण पत्र दिया गया।

आईआईसीटी के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षुओं को डिजाइन रचना के मूल तत्वों के बारे में विस्तार से बताया गया। बताया कि कार्यशाला में भाग लेने के लिए 152 लोगों ने आवेदन किया था, जिसमें 136 सम्मलित हुए। इसमें डिजाइन टेस्ट में अच्छा कार्य करने वाले 60 लोगों को प्रमाण पत्र दिया गया। इस मौके पर एकमा के एसके सिन्हा, बायर रिप्रेजेन्टेटिव अंकुर मिश्रा, परियोजना समन्वयक प्रो.डा. एसके पाल, डा. बेट्टीदास गुप्ता, डा. आर कर्माकर, सीएस वाजपेयी आदि रहे।

Amar Ujala dt. 20.09.2016

न, मुश्ताक असारा आाद रह। नामाकन पत्र खरादा। पिछल वषा का अपक्षा इस साल प्रत्याशया क बढ़न का सभावना ह। दिया।

खास खबर

60 युवाओं को सहभागिता संबंधी प्रमाण पत्र वितरित किया गया

सही राह दिखाने के लिए प्रतिबद्ध

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में सोमवार को दरी निर्माण शिल्प पर तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में सम्मिलित अनुसूचित जाति के सभी 60 युवाओं को सहभागिता संबंधी प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एकमा) के कोषाध्यक्ष अश्फाक अंसारी ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों से युवाओं को विकास का अवसर मिलता है। इन्हें सार्थक करने के लिए लगन और इमानदारी से सहभाग आवश्यक है।

आईआईसीटी में समारोह को संबोधित करते एकमा कोषाध्यक्ष अशफाक।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को सही राह दिखाने के लिए संकल्पित है। इस तरह के कार्यक्रम से युवाओं में दिलचस्पी बढ़ेगी। इससे उन्हें स्वरोजगार और रोजगार के तमाम अवसर मिलेंगे। लेकिन इसे सार्थक करने की जिम्मेदारी आप लोगों पर ही है। कार्यक्रम में मौजूद निदेशक प्रो.केके गोस्वामी ने कहा कि जो भी जानकारी दी जाए उसकी तह में जाना चाहिए। यहां से लौटते समय मन में कोई जिज्ञासा न रह जाए यही इस कार्यशाला का उद्देश्य है। परियोजना समन्वयक, प्रो.एसके पाल ने बताया कि युवाओं ने तीन दिन में दरी निर्माण से संबंधित काफी जानकारी प्राप्त की है। उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत करने का प्रयास किया गया है।

कार्यक्रम से युवाओं में दिलचस्पी बढ़ेगी, रोजगार के अवसर मिलेंगे

Dainik Jagran dt. 06.09.2016

Amar Ujala dt. 06.09.2016

देश के विकास में शिक्षकों की भूमिका अहम

शिक्षक दिवस पर क्वालिटी सर्किल कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते निदेशक केके गोस्वामी।

गुणवत्ता के प्रति सजग रहना चाहिए: डीएम

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शिक्षक दिवस के दिन संस्थान द्वारा क्वालिटी सर्किल कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि डीएम सुरेश कुमार सिंह ने कहा कि गुणवत्ता के प्रति हर किसी को सजग रहना चाहिए। एसपी डॉ. अरविंद भूषण पांडेय ने कहा कि क्वालिटी सर्किल संस्थान में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए यह अत्यंत लाभकारी सूत्र है। निदेशक केके गोस्वामी ने क्वालिटी सर्किल के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। बताया कि छात्रों का हित इस उद्योग से जुड़ा हुआ है। यदि वे इस उद्योग की समस्याओं पर मंथन कर उनका निवारण करें तो निश्चित रूप से उनके जीवन में काम आएगा। योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने बताया कि योग के जरिए कुछ भी संभव है संचालन छात्र शिवांगी शुक्ला और ऋतुराज ने किया। एकमाध्यक्ष गुलामन अंसारी, अब्दुल हादी, एसी बरनवाल, इस्तीयाक खां ने भी संबोधित किया।

सफलता के लिए निर्धारित करना होगा बड़ा लक्ष्य

भदोही : टीचर्स डे के अवसर पर सोमवार की शाम भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइसीटी) मे छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षक दिवस के महत्व पर जहां प्रकाश डाला गया वहीं छात्रों ने गुरुजनों की महिमा का बखान किया। इससे पहले जिलाधिकारी सुरेश कुमार सिंह व पुलिस अधीक्षक डा.अरविंद भूषण पांडेय ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीएम ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला। कहा कि गुरु के कद का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने गुरु के सम्मान की सीख देते हुए कहा कि सफलता हासिल करने के लिए लक्ष्य हमेशा बड़ा निर्धारित करना चाहिए। इसके लिए अथक परिश्रम व त्याग की आवश्यकता पड़ेगी लेकिन सफलता भी उसी के कदम चूमती है जो संघर्ष करने में गुरेज नहीं करता। एसपी ने संस्थान के निदेशक डा. केके गोस्वामी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक के क्षेत्र में संस्थान ने जो बुलंदी हासिल की है उसमें श्री गोस्वामी का अहम योगदान है। उन्होंने छात्रों से अनुशासित होते हुए मंजिल की कदम बढ़ाने का आह्वान किया। इससे पहले संस्थान के छात्रों ने शिक्षक दिवस पर अपने अपने विचार व्यक्त किए। डीएम एसपी सहित अतिथियों के आगमन पर संस्थान के निदेशक श्री गोस्वामी द्वारा स्वागत किया गया। एकमाध्यक्ष गुलाम शर्फुद्दीन अंसारी, अब्दुल हादी, अविनाश चंद्र बरनवाल, एसके सिन्हा आदि रहे।

। मंगलवार । 6 सितंबर 2016

आंखों पर पट्टी बांध कर करेंसी नोट के नंबर बताती प्रार्थना शुक्ला।

11 वर्ष की प्रार्थना ने सबको हैरत में डाला

भदोही। निर्मला विद्या मंदिर की कक्षा छह की बालिका प्रार्थना शुक्ला ने आंखों पर काली पट्टी बांधने के बाद भी किताबें पढ़कर सबको हैरत में डाल दिया।

प्रतिभा

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शिक्षक दिवस पर आयोजित क्वालिटी सर्किल कार्यक्रम के दौरान उसने आंखों पर काली पट्टी बांधकर पत्रिका पढ़ी, नोटों के नंबर बताए और अलग अलग रंगों के कार्डों को छूकर उनके रंग बताए। इस दौरान उसे हाल में छोड़ दिया गया तो वह वहां से चल कर आई और कुर्सी पर बैठ गई। यह सब देख कर उपस्थित लोग हैरत में पड़ गए। इस संबंध में उसके गुरु योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने बताया कि ध्यान साधना कर कोई भी यह शक्ति प्राप्त कर सकता है। इसे दिव्य दृष्टि कहते हैं। कार्यक्रम में मौजूद डीएम सुरेश कुमार सिंह भी प्रार्थना को देखकर हैरत में पड़ गए। कहा कि इतनी कम उम्र में बालिका का प्रदर्शन आश्चर्य चकित कर देने वाला है। बच्ची को उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलना चाहिए। आवश्यक छानबीन के बाद मैं उसे उचित प्लेटफार्म उपलब्ध करवाऊंगा।

4 days Yoga Program at IICT -01/09/2016

भारतीय पुरातन विज्ञान है योग

आईआईसीटी में चार दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही। योग एक भारतीय पुरातन विज्ञान है। यह प्रमुख भारतीय दर्शनों में एक है। आध्यात्मिक दृष्टि से यह चित्त की उच्च अवस्था को प्राप्त करने का मार्ग है। ये बातें गुरुवार से भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में शुरू हुए चार दिवसीय योग शिविर में योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने कही।

उन्होंने कहा कि योग और हर्बल चिकित्सा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक स्तर पर प्रकृति के रचनात्मक सिद्धांतों के अनुकूल बनाती है। इसमें स्वास्थ्य संवर्धन और रोगों की रोकथाम सहित उपचार और आरोग्य प्रदान करने की अपूर्व क्षमता है। बताया कि यथा पिंडे तथा ब्रह्मांडे की वैदिक संस्कृति हमें इस निष्कर्ष तक पहुंचाती है कि समाधान बाहर नहीं भीतर ही है। जब हम योग को अपनाते हैं तो हमें बाहरी आलंबन नहीं लेने पड़ते और हमारी शारीरिक रासायनिक प्रक्रिया संतुलित होने लगती है। इससे मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा, उच्च रक्तचाप, साइनस, थायरायड, गठिया, साइटिका आदि रोगों से मुक्ति मिलने लगती है। इससे पूर्व शिविर का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

आईआईसीटी में चार दिवसीय शिविर में योग करते संस्थान के स्टाफ और छात्र। अमर उजाला

Green India-Clean India Mission at IICT (Pipris Campus) -17/07/2016

अमर उजाला, भदोही 18.07.2016

पर्यावरण संरक्षण में हो सहभागिता

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) ने अपने नवीन पिपरिस कैंपस में रविवार को दोपहर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में एक फाइनेंस कंपनी ने भी सहभागिता की। पौधरोपण का शुभारंभ करते हुए निदेशक प्रो. केके गोस्वामी ने कहा कि संसार में प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता निभानी चाहिए।

निदेशक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षित रहेगा तो यह किसी एक के नहीं, बल्कि सबके काम आएगा। इसलिए इसमें सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्व उन्हें संरक्षित करने का है। कहा कि आज लगाए जा रहे पौधों को बचाने के सभी प्रयास किए जाएंगे। इस मौके पर मौजूद फाइनेंस कंपनी के शाखा प्रबंधक त्रिवेश त्रिपाठी ने कहा कि हम भविष्य में भी पर्यावरण को हरा भरा रखने में आईआईसीटी को पूरा सहयोग देंगे।

Certificate distribution to trainees at IICT-27/04/2016

भदोही जागरण वाराणसी, 27 अप्रैल 2016 दैनिक जागरण 3

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किए गए पुरस्कृत

भदोही : विकास आयुक्त हस्त शिल्प द्वारा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मंगलवार को परियोजनाओं में भागीदारी करने वालों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के तहत इंडियन डिजाइन इन दरी कारपेट, इंडियन टफ्टेड कारपेट डिजाइन क्राफ्ट, टफ्टेड कालीन डिजाइन तथा कपड़े पर कशीदाकारी का लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। मंगलवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम की समाप्ति पर भागीदारी करने वालों को प्रमाण पत्र व स्टापेंड देकर पुरस्कृत किया गया। एकमा के उपाध्यक्ष शिवसागर तिवारी, सचिव एसके सिनहा, रामजी मिश्रा, डीसी राय, अब्दुल्लाह, डा.एसके पाल सहित डीसीएच पैनल के डिजाइनर्स उपस्थित रहे।

4 अमर उजाला भदोही वाराणसी | बुधवार | 27 अप्रैल 2016

प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार अपनाने पर दिया जोर

अमर उजाला ब्यूरो

भदोही। भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय के निर्देशन में भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में तीन माह और एक माह के दक्षता प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन किए गए। शिविरों में चार योजनाओं में दक्षता प्राप्त करने वाले लगभग डेढ़ सौ प्रशिक्षुओं को मंगलवार को प्रमाण पत्र और स्टाइपेंड के चेक वितरित किए गए। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि, अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एकमा) के उपाध्यक्ष शिवसागर तिवारी ने प्रशिक्षुओं से स्वरोजगार अपनाने कहा।

एकमा उपाध्यक्ष ने कहा कि जो प्रशिक्षण उन्होंने हासिल किया है, उनके लिए नौकरी के रास्ते खुले हैं, लेकिन उन्हें चाहिए कि स्वरोजगार पर अधिक ध्यान दें। सरकार ऐसे लोगों को कई प्रकार से सहयोग कर रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि यहां से प्रशिक्षण हासिल करने के बाद भी यदि उन्हें आईआईसीटी के सहयोग की आवश्यकता पड़ती है तो वे अवश्य आएं। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वाराणसी कार्यालय के अधिकारी, अब्दुल्लाह ने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को आगे लाने के लिए तमाम तरह से प्रशिक्षित करना चाहती है।

हिन्दुस्तान 06 वाराणसी • बुधवार • 27 अप्रैल 2016 •

आईआईसीटी में दिया गया प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र

भदोही | निज संवाददाता

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में मंगलवार को प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं बेस वूमेन टेक्सटाइल्स यूज्ड फॉर हैंडीक्रॉफ्टस (वाराणसी), बेस वूमेन टेक्सटाइल्स यूज्ड फॉर हैंडीक्रॉफ्टस (भदोही), इंडियन डिजाइन इन क्राफ्ट्स, इंडियन टफ्टेड कारपेट डिजाइन क्रॉफ्ट्स के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र व स्टाइपेंड दिया गया।

परियोजना के तहत प्रशिक्षणार्थियों को डिजाइन बनाना, कपड़े पर काशीदाकारी और टफ्टेड कालीन डिजाइन बनाने की तकनीक सिखाई गई। इस दौरान विशेषज्ञों ने कालीन उद्योग के विकास के लिए नए सुझाव भी दिए। इस अवसर पर एकमा उपाध्यक्ष शिवसागर तिवारी, एसके सिन्हा, अब्दुल्ला, रामजी मिश्रा, डा. एसके पाल समेत फैकल्टी के स्टाफ उपस्थित थे।

Curriculum up-gradation at IICT-25/04/2016

दुश्वार हो गया है। चिलचिलाती धूप में

वैश्विक जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रम

बदला स्वरूप

भदोही | निज संवाददाता

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में चल रहे दोदिवसीय करिकुलम डेवलपमेंट (पाठ्यक्रम विकास) वर्कशॉप का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान बीटेक (कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी) के पाठ्यक्रम को अपडेट किया गया। इसका उद्देश्य यह है कि बीटेक के छात्र-छात्राएं कालीन उद्योग की वर्तमान जरूरतों के हिसाब बेहतर काम कर सकें और उद्योग के लिए उपयोगी साबित हो सकें।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में 23 और 24 अप्रैल को पाठ्यक्रम विकास (करिकुलम डेवलपमेंट) विषयक वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। इस दौरान पाठ्यक्रम में कालीन उद्योग की वैश्विक जरूरतों के मद्देनजर बेहतर और समाजोपयोगी बनाने सम्बंधी संशोधन किए गए। आईआईसीटी में पोस्टग्रेजुएट (एमटेक) कोर्स को शुरू करने पर भी विचार किया गया।

वहीं, शनिवार को संस्थान में निरीक्षण को आए आए विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)/चेयरमैन आईआईसीटी डा. के गोपाल द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के प्रोफेसर डा. आर चट्टोपाध्याय, एनआईटीआरए के डायरेक्टर डा. अरिंदम बसु, डा. डीबी शाक्यावर, डा. प्रशांत, एकमा अध्यक्ष विनय कपूर, रवि पाटोदिया, भोलानाथ बरनवाल, संजय गोयल, राजू बोथरा, सीईपीसी के अधिशासी निदेशक शिवकुमार गुप्ता, राजेश कुमार, आईआईसीटी के निदेशक प्रो. (डा.) केके गोस्वामी, फैकल्टी मेम्बर डा. एसके पाल आदि थे।

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में रविवार को पाठ्यक्रम विकास पर विचार करते फैकल्टी मेम्बर व अन्य लोग। • हिन्दुस्तान

उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप तैयारी की जरूरत

आइआइसीटी में चल रहे दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

भदोही : डा. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (लखनऊ) द्वारा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइसीटी) में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान छात्रों की प्रतिभा परख तथा उद्देश्य से अवगत कराया गया।

तकनीकी विशेषज्ञों ने बीटेक के छात्रों को परिक्षेत्र के प्रमुख उद्योग के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि आवश्यकता के अनुरूप तैयारी करने की जरूरत है। कहा कि कालीन उद्योग में तकनीक के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई है। इसलिए उद्योग के बारे में न सिर्फ पूरी जानकारी होनी चाहिए बल्कि विकास हेतु अपनी सहभागिता प्रस्तुत करने के लिए तैयार रहना होगा।

इस दौरान पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री एमटेक के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर इस मौके पर आईआईटी दिल्ली से आए डा. आर चट्टोपाध्याय, महानिदेशक एनआइटीआरए (गाजियाबाद) डा. अरिदम बसु, डा. डीबी शाख्यवार, एकमाध्यक्ष विनय कपूर, संस्थान के निदेशक डा. केके गोस्वामी, रवि पाटोदिया, भोलानाथ बरनवाल, संजय गोयल राजू बोथरा, शिवकुमार गुप्ता, राजेश कुमार, डा. एसके पाल, डा. आर कर्माकर आदि उपस्थित रहे।

Green India-Clean India Mission at IICT-14/01/2016

आईआईसीटी में क्लीन ग्रीन मिशन शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

आईआईसीटी के फैकल्टी सदस्यों और छात्र-छात्राओं ने सफाई अभियान चलाया

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के फैकल्टी सदस्यों और छात्र-छात्राओं ने मिल कर गुरुवार को संस्थान परिसर में सफाई अभियान चलाया। अभियान तीन दिन तक चलेगा। इसे क्लीन ग्रीन मिशन नाम दिया गया। पहले दिन संस्थान परिसर में सूखे पेड़ों और झाड़ियों को काट कर अलग किया गया।

संस्थान के निदेशक प्रो.केके गोस्वामी ने कहा कि वातावरण को शुद्ध रखने के लिए किसी से उम्मीद लगाने से पहले खुद से प्रयास करना चाहिए। ऐसा उदाहरण देखकर दूसरे लोग भी इन प्रयासों में शामिल हो जाएंगे। कहा कि सबसे अच्छी बात है कि हमारे छात्रों के साथ साथ फैकल्टी सदस्यों ने आगे बढ़ कर इस काम को गंभीरता से लिया। बताया कि महज पहले दिन के काम से ही संस्थान परिसर में बदलाव दिखा है। मिशन के तहत पहले दिन छात्र-छात्राओं ने संस्थान के मुख्य ब्लाक के दक्षिण ओर व्यापक रूप से साफ सफाई की। इस दौरान अशोक के पेड़ों को छोड़ उनके आस पास दूसरे सूखे पेड़ों झाड़ियों और गंदगी को जगह जगह जमा किया गया। संस्थान की बाउंड्री के सटे बाहरी ओर नाले पर उगे झाड़ की भी साफ सफाई की गई। प्रशासनिक अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला और प्रो.एसके पाल ने कहा कि संस्थान परिसर को हमेशा हरा भरा बनाए रखने के लिए शीघ्र ही कुछ निर्णय लिए जाएंगे।

आइआइसीटी : अभियान चलाकर की साफ-सफाई

भदोही : स्वच्छ हरित अभियान के तहत भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइसीटी) द्वारा गुरुवार को अभियान चलाकर परिसर की साफ सफाई की गई। इस दौरान संस्थान के निदेशक डा.केके गोस्वामी ने लोगों को स्वच्छता के लाभ से अवगत कराते हुए अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

श्री गोस्वामी ने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना तभी साकार होगा जब इसमें जन जन की सहभागिता होगी।

◆ अभियान से जुड़ने पर दिया गया बल

कहा कि गंदगी से जहां वातावरण प्रभावित होता है वहीं स्वास्थ्य पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। कहा कि हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी का अहसास करना चाहिए।

अपने आसपास की गंदगी को साफ करने के साथ साथ अन्य लोगों को भी स्वच्छता अभियान में भागीदारी हेतु प्रेरित करना चाहिए। इससे पहले संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं की टीम ने अभियान चलाकर परिसर व आसपास क्षेत्र की सफाई की। बताया कि स्वच्छ हरित-अभियान आगे भी चलाया जाएगा।

स्वच्छ हरित अभियान शुरू

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छ हरित अभियान (क्लीन ग्रीन मिशन) गुरुवार की सुबह शुरू हो गया। संस्थान के छात्र-छात्राओं, अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे मनोयोग से इस अभियान में हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक प्रो. (डा.) केके गोस्वामी ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में हर व्यक्ति को योगदान देना चाहिए।

आईआईसीटी ने स्वच्छता अभियान पर दिया जोर

भदोही। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छ -हरित अभियान (क्लीन-ग्रीन मिषन) गुरूवार को 10 बजे से प्रारम्भ हुआ। संस्थान में उपस्थिति समस्त छात्र-छात्राआ ,एवं अधिकारियों कर्मचारियों आदि ने पूर्ण मनोयोग से अभियान में हिस्सा लिया एवं संस्थान की मुख्य सड़क की तरह बाउन्ड्वाल के दोनो तरफ की जगह को साफ व स्वच्छ किया। संस्थान के निदेशाक प्रो डा. केके0 गोस्वामी ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में प्रत्येक व्यक्ति को अपना यथा-सम्भव योगदान देना चाहिये एवं समस्त के सहयोग से ही हम अपने आस-पास के स्थान को स्वच्छ एवं हरित बनाया सकते हैं।

Dainik Jagran dt. 19.11.2015

योग की बदौलत विश्व गुरु बनेगा भारत

आईआईसीटी में योगाभ्यास करते लोग।

भदोही : चौरी रोड स्थित भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) में गुरुवार से चार दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इस दौरान संस्थान के विद्यार्थियों को योग की महत्ता से अवगत कराते हुए योगाभ्यास कराया गया।

शिविर का शुभारंभ करते हुए संस्थान के निदेशक डा.केके गोस्वामी ने कहा कि योग व हर्बल की बदौलत ही भारत कभी विश्व गुरु कहलाता था। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास के बाद एक बार फिर पूरी दुनियां ने योग का लोहा मान लिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ्य रहने के लिए योग करने की सलाह दी।

इस दौरान हर्बल विशेषज्ञ व योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने वात, कफ व पित्त का संतुलन बिगड़ने के बाद होने वाले रोगों की जानकारी दी। कहा कि उत्तम स्वास्थ्य के तीनों का ठीक रहना जरूरी है। कहा कि यह योग से ही संभव है। प्रथम दिन प्राणायाम, अनुलोम, विलोम, भ्रामरी आदि का अभ्यास कराया गया।

शिविर में श्रवण गुप्ता, अनुपम अग्रवाल, उमाकांत श्रीवास्तव, दर्पण सिंह, राजकुमार चांदना आदि रहे।